दर्शन देना प्राण प्यारे

दर्शन देना प्राण प्यारे |
नंदलाला मेरे नैनो के प्यारे ||

दीनानाथ दयाल सकल गुण,
नवकिशोर सुन्दर मुख वारे |

मनमोहन मन रुक्तल रोक्यो,
दर्शन की चित चाह हमारे |

रसिक खुशाल मिलन की आशा,
निसदिन सुमरण ध्यान लगा रे |

स्वर : पण्डित भीमसेन जोशी

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/56/title/darshan-dena-pran-pyare

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |